दिनांकः 01.09.2016

मेरे प्रिय साथियो,

हिन्दी हमारी राजभाषा होने के साथ–साथ हमारे स्वाभिमान, हमारे गौरव की प्रतीक, हमारी हृदयवासिनी, वन्दनीय मातृभाषा है, जो हमारी राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं सांस्कृतिक सम्पन्नता को प्रतिस्थापित करती है। बहुसांस्कृतिक, बहुधर्मी, बहुभाषी विशाल भारत वर्ष को एकता के सूत्र में पिरोये रखने की क्षमता हिन्दी भाषा में ही है। हिन्दी की इसी महत्त्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 के दिन हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। समूचा राष्ट्र इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन 'हिन्दी दिवस' के रूप में एवं सितम्बर माह को हिन्दी माह के रूप में मनाता है। राष्ट्रभाषा हिन्दी को समर्पित हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

हम हिन्दी भाषी क्षेत्र के वासी हैं। हिन्दी के बिना हमारी भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति कठिन है। इसके अतिरिक्त संवैधानिक दृष्टि से भी हमारे लिये यह आवश्यक है कि हम सभी स्तरों पर राजभाषा नीति की अपेक्षाओं को समझें और उन्हें क्रियान्वित करें। भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी हमारा बैंक सितम्बर माह को 'हिन्दी माह' एवं 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' के रूप में मना रहा है। अतः आप सबसे अपेक्षा है कि हिन्दी का प्रयोग बढाने के लिए सितम्बर माह में विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियाँ आयोजित करें। पूरे माह अधिक से अधिक तथा 14 सितम्बर को समस्त कार्य हिन्दी में ही करें। सूचना पट्ट पर "आज का विचार", "आज का शब्द" और हिन्दी के प्रयोग पर स्लोगन प्रदर्शित करें। बैठकों, सेमीनारों के माध्यम से हिन्दी के प्रति ऐसा वातावरण विकसित करें कि सभी स्टाफ सदस्य हिन्दी में कार्य करने में गौरव अनुभव करें। मेरा अनुरोध है कि इस कार्यक्रम को सितम्बर माह तक ही सीमित न रखकर हिन्दी में कार्य करने को अपनी आदत का अभिन्न अंग बनायें तथा भविष्य में सदैव इसे जारी रखें।

साथियो, ग्राहकों का भरोसा ही हमारा आधार है। हिन्दी क्षेत्र में हिन्दी भाषा ही संवाद का सर्वश्रेष्ठ व सर्वव्यापी माध्यम है। अतः हिन्दी का उपयोग हमारे बीस हजार करोड़ के व्यवसायिक लक्ष्य को पार करने, एनपीए का उन्मूलन करने तथा हमारे उत्पादों, योजनाओं एवं प्रधानमन्त्री जन धन योजनाओं के सभी स्तम्भों के क्रियान्वयन की सफलता में और अधिक सहायक सिद्ध होगा। मैं सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक परिचार के सभी सदस्यों का आह्वान करता हूं कि आप बैंकिंग गतिविधियों को जन–जन तक पहुँचाकर, अपने बैंक को प्रत्येक क्षेत्र में पतिष्ठा दिलाने में पूर्ण उत्साह से जुटें और मातृभाषा हिन्दी को अपने दैनिक बैंकिंग कार्य–व्यवहार में प्रयुक्त कर गौरवान्वित महसूस करें।

आप अपने सभी मानदण्डों के आवंटित लक्ष्यों की समयपूर्व प्राप्ति करे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, जय हिन्द–जय हिन्दी!

(डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह)